

दुर्गा माँ आरती  
जय अम्बे गौरी मैया जय श्यामा गौरी ।  
तुमको नसिदनि ध्यावत हरि ब्रह्मा शिविरी ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
मांग सद्वर वरिजत टीको मृगमदको ।  
उज्ज्वल से दोऊ नैना चन्द्रवदन नीको ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजे ।  
रक्त पुष्प गल माला कण्ठन पर साजे ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
केहरिवाहन राजत खड्ग खप्पर धारी ।  
सुर नर मुनिजिन सेवत तनिके दुःख हारी ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
कानन कुंडल शोभति नासागरे मोती ।  
कोटकि चंद्र दवािकर राजत सम ज्योती ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
शुंभ नशिंभु वदारे महषिसुरधाती ।  
धूम्रवलिचन नैना नशिदनि मदमाती ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
चण्ड मुण्ड संहारे शोणति बीज हरे ।  
मधु कैटभ दोउ मारे सुर भयहीन करे ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
ब्रम्हाणी रुद्राणी तुम कमलारानी ।  
आगम नगिम बखानी तुम शवि पटरानी ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
चौसंठ योगिनी गावत नृत्य करत भैरुं ।  
बाजत ताल मृदंगा अरु डमरुं ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
तुम ही जग की माता तुम ही हो भरता ।  
भक्तन की दुःखहरता सुख सम्पत्ति करता ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
भुजा चार अतशोभति वर मुद्रा धारी ।  
मनवांच्छति फल पावे सेवत नर नारी ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
कंचन थाल वरिजत अगर कपुर बात्ती ।  
श्री माल केतु में राजत कोट रितन ज्योती ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।  
या अम्बे जी की आरती जो कोई नर गाये ।  
कहत शिवानंद स्वामी सुख संपत्ति पाये ॥  
जय अम्बे गौरी मैया जय श्यामा गौरी ।  
तुमको नसिदनि ध्यावत हरि ब्रह्मा शिविरी ॥  
ॐ जय अम्बे गौरी ।